

सावरीआ रख लो सेवादार श्याम जी रख लो सेवादार

तरज- कनहीया लै चल परली पार

आशा लेकर आया हूँ मैं,
आज तेरे दरबार
सावरीआ रख लो सेवादार
श्याम जी रख लो सेवादार|

आठो पहिर मैं तेरे दर पर
थका ना तेरी सेवा कर कर
बाहगा मे तेरे मोती जड़ कर
सोहने लगोगे सज संवर कर
फूलो की मैं माला पिरो कर ,करुं तेरा सिंगार
सावरीआ रख लो सेवादार
श्याम जी रख लो सेवादार.....|

अपना तुझ को मान लिया है
मन ही मन मैं ठान लिया है
करने तेरा गुणगाण मैं बैठी
मान तुझे भगवान लिया है
तेरे चरणो की बन जाऊँ दासी, छोड़ कुटुंब परिवार
सावरीआ रख लो सेवादार
श्याम जी रख लो सेवादार|

लालच मुझेको कोई नहीं है
तेरे बिन मेरा कोई नहीं हूँ
मुरादे पुरी होती यही हूँ
तेरे दर कोई रोई नहीं हूँ
मतलब के सब रिश्ते नाते मतलब का संसार
सावरीआ रख लो सेवादार
श्याम जी रख लो सेवादार|

खाटु श्याम जी अरज करी मैं
हाथ जोड़ कर दर पे खड़ी मैं
आसुओ की जो भैट चड़ी है
या मेरे लिए तो बहुत बड़ी हैं
जसपाल जनाल की विनती बाबा, करनी हो स्वीकार
सावरीआ रख लो सेवादार
श्याम जी रख लो सेवादार

Lyricist - JASPAL JANAL 8699406500

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35113/title/sanwaria-rakh-lo-sewadar--shyam-ji-rakh-lo-sewadar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |